Result Mitra
दैनिक जागरण
The Indian EXPRESS
JOURNALISM OF COURAGE
दैनिक भास्कर
THE HINDU
जनसत्ता
Daily
CURRENT
AFFAIRS
IAS/PCS
अब होगी करंट अफेयर्स की राह आसान
BY- ABHAY SIR

टॉपिक 1 :– भारतीय मौसम विभाग ने चक्रवात को लेकर एक नई चेतावनी

टॉपिक 2 :–

Topic 3:– *प्रक्षेपण और उनसे होने वाला पर्यावरण को नुकसान*

टॉपिक 4 :– *क्या अब खत्म होगी अमेरिका की दादा गिरी*

भारतीय मौसम विभाग ने चक्रवात को लेकर एक नई चेतावनी

आपदा

24 अक्टूबर को पश्चिम बंगाल और ओडिशा के तटीय हिस्सों में पहुंच सकता है चक्रवात डाना

डिप्रेशन के 23 अक्टूबर तक पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक विकराल चक्रवाती तूफान डाना में तब्दील होने के आसार हैं।

Source :– Down to Earth

- भारतीय मौसम विभाग ने चक्रवात को लेकर एक नई चेतावनी जारी की है

- किस क्षेत्र में विकसित हो रहा है चक्रवात:– उत्तरी अंडमान सागर और उससे सटे पूर्व-मध्य और दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी पर।

- पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी और उससे लगे उत्तर अंडमान सागर पर एक कम दबाव का क्षेत्र बन गया है।

- यह चक्रवात पश्चिम-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ सकता है।

- जिसके 22 अक्टूबर तक तेज गति धारण कर डिप्रेशन में बदलने और 23 अक्टूबर तक पूर्व-मध्य बंगाल की खाड़ी के ऊपर एक चक्रवाती तूफान 'डाना' में परिवर्तित होने की संभावना है।

- ऐसा अनुमान लगाया गया है कि यह चक्रवात उत्तर पश्चिम की ओर बढ़ेगा तथा 24 अक्टूबर को पश्चिम बंगाल और उड़ीसा जैसे तटीय राज्यों से टकरा सकता है

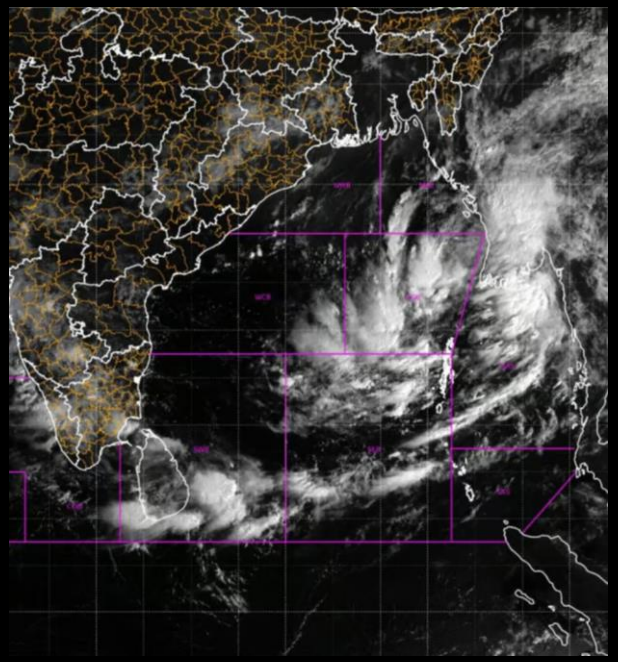

- 23 अक्टूबर को ओडिशा के हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश जबकि अन्य हिस्सों में भारी बारिश होने की आशंका है।

- जबकि आने वाले 2 दिनों में ओडिशा के कुछ इलाकों में भारी से बहुत भारी वर्षा तथा कुछ हिस्सों में भयंकर बारिश होने के आसार हैं।

- ओडिशा-पश्चिम बंगाल तट पर हवा की गति 60 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने के आसार हैं, तो बही 24 अक्टूबर की रात से 25 अक्टूबर की सुबह तक बढ़कर 120 किमी प्रति घंटे हो जाएगी।

नुकसान होने की आशंका

- ❑ भारी बारिश के चलते स्थानीय स्तर पर सड़कों पर बाढ़।
- ❑ निचले इलाकों में जलभराव।
- ❑ मुख्य रूप से शहरी क्षेत्रों में अंडरपास बंद हो सकते हैं।
- ❑ दृश्यता में कभी-कभी कमी हो सकती है।
- ❑ सड़कों पर जलभराव।

- सड़कों पर यातायात बाधित हो सकता है।
- कमजोर संरचनाओं को भी नुकसान पहुंच सकता है।
- पेड़ों की शाखाएं टूट सकते हैं और पेड़ उखड़ सकते हैं।
- भूस्खलन व मिट्टी धंस सकती है।
- बाढ़ और हवा के कारण कुछ इलाकों में बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान होने की भी आशंका जताई गई है।

- निचले इलाकों में बाढ़ आ सकती है।
- बिजली आपूर्ति बाधित हो सकती है।

तूफानी गतिविधि से बचने के सुझाव :–

- अपने गंतव्य के लिए रवाना होने से पहले अपने मार्ग पर यातायात का पता लगा लें।
- इस संबंध में जारी किए गए किसी भी यातायात सलाह का पालन करें।
- उन क्षेत्रों में जाने से बचें जहां अक्सर जलभराव की समस्या होती है।
- असुरक्षित ढांचे में रहने से बचें आदि।

Result Mitra

प्रश्न. उष्णकटिबंधीय (ट्रॉपिकल) अक्षांशों में दक्षिणी अटलांटिक और दक्षिण-पूर्वी प्रशांत क्षेत्रों में चक्रवात उत्पन्न नहीं होता। इसका क्या कारण है? (2015)

A. समुद्री पृष्ठों के ताप निम्न होते हैं
B. अंतःउष्णकटिबंधीय अभिसारी क्षेत्र (इंटर-ट्रॉपिकल कन्वर्जेंस ज़ोन) बिरले ही होता है,
C. कोरिऑलिस बल अत्यंत दुर्बल होता है
D. उन क्षेत्रों में भूमि मौज़ूद नहीं होती

सुप्रीम कोर्ट का PIL पर निर्देश

- भारत के सर्वोच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के अनुसार वर्तमान में जितनी भी जनहित याचिका न्यायालय के सामने आ रही है उनमें वास्तविक जनहित याचिकाएं कम हो रही हैं जबकि नीतिगत मामलों पर केंद्रित हैं

इस बात का उल्लेख चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया ने क्यों किया :–

- हाल में सुप्रीम कोर्ट के समक्ष एक जनहित याचिका को जारी किया गया था जिसमें अनुरोध किया गया था कि OTT और इस प्रकार के अन्य प्लेटफॉर्म्स पर कंटेंट को विनियमित करने के लिए सरकार को एक स्वतंत्र निकाय की स्थापना हेतु दिशा निर्देशित जारी किया जाए।

- किंतु सर्वोच्च न्यायालय के द्वारा इस याचिका को खारिज कर दिया गया

जनहित याचिका की उत्पत्ति :–

- सुप्रीम कोर्ट ने पहली बार लोकस स्टैंडी के सिद्धांत का विस्तार 'मुंबई कामगार सभा बनाम अब्दुलभाई फैजुल्लाभाई 1976' मामले में किया।

- इसी मामले से जनहित याचिका की उत्पत्ति का मार्ग प्रारंभ हुआ था।

देश की पहली जनहित याचिका :–

- हुसैनारा खातून बनाम बिहार राज्य मामले में दायर की गई थी।
- यह जनहित याचिका एक एक्टिविस्ट वकील के द्वारा धार की गई थी जिसमें जेल की अमानवीय स्थिति के बारे में अवगत कराया गया था

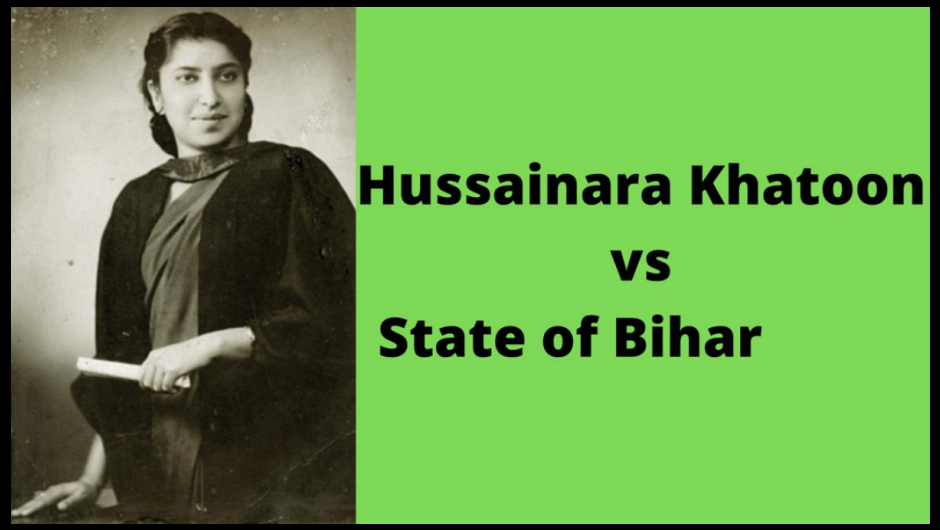

जनहित याचिका का दुरुपयोग

- जनहित याचिका का दुरुपयोग अधिक किया जाता है क्योंकि इसे किसी भी अधिनियम के द्वारा परिभाषित नहीं किया गया है इस कारण इस सुविधा का कई बार दुरुपयोग किया जाता है।

- इसलिए, 2010 के उत्तरांचल राज्य बनाम बलवंत सिंह चौफाल एवं अन्य मामले में सुप्रीम कोर्ट ने जनहित याचिका की शुद्धता और शुचिता को बनाए रखने के लिए हाई कोर्ट्स को आठ निर्देश जारी किए थे (इन्फोग्राफिक देखें)।

जनहित याचिका से संबंधित हाई कोर्ट को सुप्रीम कोर्ट के आठ अनिवार्य निर्देश :–

- PIL में कोई व्यक्तिगत लाभ और निजी या दुर्भावनापूर्ण हित शामिल न हो यह सुनिशित करना

- उस PIL को जिसमे गंभीरता, व्यापक लोक हित और तात्कालिकता निहित हो प्राथमिकता देना

- PIL पर सुनवाई शुरू करने से पहले यह जांच करना कि उसमें पर्याप्त लोक हित निहित है या नहीं

- PIL में उल्लिखित कंटेंट्स के औचित्य की जांच करना

- दुर्भावना से दायर की गई PIL को हतोत्साहित करना और याचिकाकर्ता की प्रामाणिकताओं का सत्यापन करना

- विशुद्ध PIL को बढ़ावा देने के लिए नियम बनाना और केवल विशुद्ध व प्रामाणिक PIL को ही स्वीकार करना

- नवाचारी पद्धतियों को अपनाना जिसमे गैर-जरुरी PILS को रोकने के लिए जुर्माना लगाना सामिल था।

प्रश्न. भारतीय न्यायपालिका के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2021)

1. भारत के राष्ट्रपति की पूर्वानुमति से भारत के मुख्य न्यायमूर्ति द्वारा उच्चतम न्यायालय से सेवानिवृत्त किसी न्यायाधीश को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के पद पर बैठने और कार्य करने हेतु बुलाया जा सकता है।
2. भारत में किसी भी उच्च न्यायालय को अपने निर्णय के पुनर्विलोकन की शक्ति प्राप्त है, जैसा कि उच्चतम न्यायालय के पास है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

प्रश्न. भारत में उच्चतर न्यायपालिका के न्यायाधीशों की नियुक्ति के संदर्भ में 'राष्ट्रीय न्यायिक नियुक्ति आयोग अधिनियम, 2014' पर सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिये। (2017)

प्रक्षेपण और उनसे होने वाला पर्यावरण को नुकसान

Result Mitra

- हाल ही में अनुमान लगाया गया है कि पर्यावरण के लिए एक गंभीर खतरा रॉकेट और उपग्रह के प्रक्षेपणों से भी हो रहा है

रॉकेटों को प्रक्षेपित करना :–

- 2009 के मुकाबले 2024 में रॉकेट प्रक्षेपण की संख्या लगभग प्रतिवर्ष 3 गुना बढ़ गई है

- तथा ऐसे उपग्रह जो पृथ्वी की परिक्रमा करते हैं उनकी संख्या में भी 10 गुना वृद्धि हुई है (मानव निर्मित)

- निरंतर होते प्रक्षेपणों से अंतरिक्ष कचरे में वृद्धि हुई है
- जिस कारण इस कचरे की पुनः पृथ्वी पर प्रवेश करने की संख्या भी एक दशक में दोगुना हो गया है।
- इस अंतरिक्ष मलबे से कई सारे खतरे भी उत्पन्न हुए हैं

रॉकेट प्रक्षेपणों का वायुमंडलीय प्रभाव :–

- पृथ्वी से आने वाली दीर्घ-तरंग विकिरण को एल्यूमिना तथा ब्लैक कार्बन (कालिख) अवशोषित कर लेते हैं।

- जो ग्लोबल वार्मिंग को बढ़ाने में योगदान देता है।
- ओज़ोन परत का तेजी से क्षरण होने लगता है क्योंकि गर्म समताप मंडल के कारण रासायनिक अभिक्रियाओं में तेजी आने लगती है।
- रॉकेट प्रक्षेपण से निकले हानिकारक तत्व जैसे की एल्यूमिना, क्लोरीन, नाइट्रोजन ऑक्साइड आदि सभी समताप मंडलीय ओजोन क्षरण में योगदान करते हैं।

क्या अब खत्म होगी अमेरिका की दादा गिरी

- क्या अब पुतिन कर देंगे अमेरिका की दादागिरी को खत्म।

Us का वर्चस्व किन क्षेत्रों में है :–

- 1.पूरी दुनिया अमेरिकी डॉलर में व्यापार करती है
- 2.अमेरिकी रक्षा उत्पादन सबसे अच्छे किस्म की माने जाते हैं
- 3.एक मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर हब अमेरिका है
- 4.कई मल्टीनेशनल कंपनियां अमेरिका से संबंधित है

- रूस में ब्रिक्स के 16वें वार्षिक शिखर सम्मेलन का आयोजन 22 व 23 अक्टूबर को किया जा रहा है।

- इस बार आयोजन :– रूस के तातारस्तान के कजान में

रूस कैसे तोड़ेगा US डॉलर का वर्चस्व :–

- रूस अपने सहयोगियों के साथ मिलकर डिजिटल मुद्रा के उपयोग को बढ़ाना चाहता है

- रूस की मेजबानी में होने वाले ब्रिक्स सम्मेलन में पुतिन ब्रिक्स मुद्रा जैसी योजना प्रस्तुत करना चाहते है।

- साथ ही रूस 10 देशों के साथ डिजिटल मुद्रा के उपयोग की संभावना तलाश रहा है
- जिसके लिए उनका देश भारत और अन्य देशों के साथ मिलकर काम कर रहा है।
- रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने अमेरिकी डॉलर के वर्चस्व को खत्म करने के लिए राष्ट्रीय डिजिटल मुद्राओं के इस्तेमाल पर जोर दिया।

Result Mitra

क्या रूस चाहता है वैश्विक वित्तीय प्रणाली को दरकिनार करना :–

- अमेरिका और उसके सहयोगी देशों ने फरवरी 2022 में यूक्रेन के साथ शुरू हुए संघर्ष के बाद रूस पर व्यापक से प्रतिबंध लगाने प्रारंभ कर दिए।

- रूस की योजना :– ब्रिक्स केंद्रीय बैंकों के माध्यम से एक-दूसरे से जुड़े वाणिज्यिक बैंकों के नेटवर्क पर आधारित एक नई भुगतान प्रणाली बनाना जिससे वैश्विक वित्तीय प्रणाली को दरकिनार किया जा सके।

- ***ब्रिक्स मेंबर्स :–*** **Brazil, Russia, India,China, South Africa, Iran, Saudi Arabia, Egypt, Ethiopia and United Arab Emirates.**

पुतिन क्यों लाना चाहते है भारत को पास :–

- **हाल ही में SCO का आयोजन पाकिस्तान में किया गया था जिसमें भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भाग लिया था जबकि अन्य देशों के या तो प्रधानमंत्री या उप प्रधानमंत्री इस सम्मेलन में शामिल हुए थे**

भारत SCO से अपनी दूरियों को बढ़ा रहा है क्योंकि

- ***2024 SCO summit -*** **Russia, China ,India ,Pakistan ,Kazakhstan ,Kyrgyzstan , Tajikistan, Belarus.**

क्यों कर रहे पुतिन भारतीय फिल्मों की तारीफ :–

- पुतिन ने हिंदी फिल्मों की तारीफ की
- कहा कि भारतीय फिल्में रूस में काफी लोकप्रिय हैं।

- हमारे पास एक समर्पित टीवी चैनल भी है जो चौबीसों घंटे भारतीय फिल्में प्रसारित करता है।
- पुतिन ने कहा कि रूस में भारतीय फिल्म काफी लोकप्रिय हैं।
- पुतिन ने रूस में भारतीय सिनेमा को बढ़ावा देने और रूस और भारत के बीच सांस्कृतिक संबंधों पर भी प्रकाश डाला।

ASIA
AFRICA
CARLSBERG RIDGE
AUSTRALIA
ATLANTIC OCEAN
INDIAN OCEAN
SOUTHERN OCEAN
ANTARCTICA
0
2,000
4,000 mi
0
2,000
4,000 km

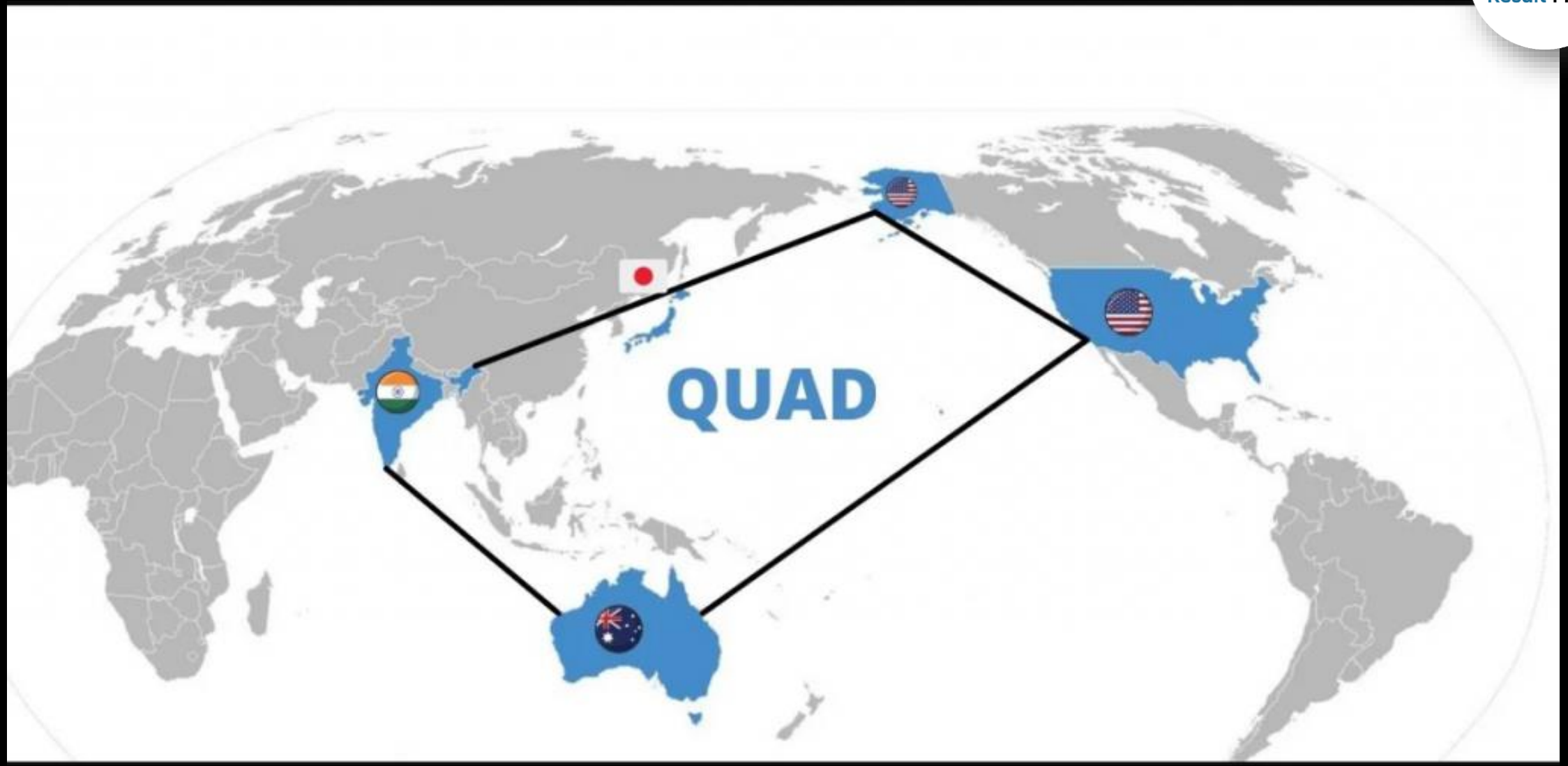

QUAD

THANK YOU

@resultmitra / 8650457000

@resultmitra

@resultmitra

Result Mitra

+ SUBSCRIBE

LIKE & SHARE

PDF